भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा
एम० ए० हिन्दी (प्रथम वर्ष)
अनिवार्य पेपर-1
दत्त कार्य-1

(सत्र-2018-19 से)

कुल अंक-10

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें -

1. भाषा की परिभाषा और उसके अभिलक्षणों पर प्रकाश डालें।
2. वागवयव से क्या तात्पर्य है? वागवयवों के प्रमुख कार्यों का वर्णन करें।
3. वाक्य के भेदों को स्पष्ट करें।
4. प्राचीन भारतीय भाषाओं का परिचय दीजिए।
5. हिन्दी भाषा की संवैधानिक स्थिति पर प्रकाश डालिए।
6. ओठों की स्थिति के आधार पर हिन्दी स्वरों का वर्गीकरण करें।
7. संचार भाषा की विवेचना कीजिए।
8. संबंधदर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्यों पर प्रकाश डालिए।

13/03/19

13/03/19

भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा
एम० ए० हिन्दी (प्रथम वर्ष)
अनिवार्य पेपर - 1
दत्त कार्य - 2

(सत्र- 2018-19 से) कुल अंक - 10

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें—

1. भाषा-व्यवस्था और भाषा व्यवहार स्पष्ट कीजिए।
2. स्वनिक परिवर्तन के कारणों को स्पष्ट कीजिए।
3. अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाओं को स्पष्ट कीजिए।
4. अवधी भाषा की विशेषताओं का वर्णन करें।
5. "देवनागरी एक वैज्ञानिक लिपि है" कथन की समीक्षा करें।
6. शब्द और अर्थ का संबंध निर्धारित कीजिए।
7. बिहारी बोलियों का परिचय दीजिए।
8. हिन्दी में खण्ड्य और खण्ड्येतर स्वनिमों का निर्धारण कीजिए।

Sulem Nar
13/03/19

13/03/19

हिन्दी साहित्य का इतिहास

कुल अंक - 10

एम० ए० हिन्दी (प्रथम वर्ष)

अनिवार्य पेपर - 2

दत्त कार्य - 1 (सत्र - 2018-19 से)

निम्नलिखित मे से किन्ही पाँच प्रश्नो के उत्तर दें-

1. हिन्दी साहित्येतिहास की लेखन-परम्परा का संक्षिप्त परिचय लिखिए।
2. रासो काव्य की प्रवृतियों पर प्रकाश डालिए।
3. हिन्दी संतकाव्य के वैचारिक आधार पर प्रकाश डालिए।
4. भक्तिकाल को हिन्दी-साहित्य का स्वर्ण-युग क्यों कहा जाता है? स्पष्ट कीजिए।
5. रीतिमुक्त काव्य की सामान्य प्रवृतियाँ स्पष्ट कीजिए।
6. भारतेन्दु व उनके काव्य पर प्रकाश डालिए।
7. प्रयोगवाद से क्या तात्पर्य है?
8. स्वच्छन्दतावाद से क्या तात्पर्य है?

13/3/19

13/03/19

हिन्दी साहित्य का इतिहास कुल अंक -10

एम० ए० (प्रथम वर्ष)

अनिवार्य पेपर – २

दत्त कार्य – २ (सत्र- २०१८-१९ ई)

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें –

1. हिन्दी साहित्य के काल विभाजन और नामकरण पर प्रकाश डालिए।
2. अमीर खुसरो की हिन्दी कविता पर आलेख लिखे।
3. सूफी काव्य की प्रवृत्तियों का वर्णन करें।
4. तुलसीदास की प्रमुख रचनाओं के काव्य रूप का वर्णन करते हुए उनके महत्व को स्पष्ट करें।
5. रीतिकाल के नामकरण पर प्रकाश डालिए।
6. हिन्दी उपन्यास के उद्भव एवं विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
7. छायावाद से क्या तात्पर्य है।
8. कृष्णकाव्य धारा की प्रमुख प्रवृत्तियों पर संक्षिप्त नोट लिखें।

13/03/19

13/03/19

आधुनिक गद्य - साहित्य

एम० ए० हिन्दी (प्रथम वर्ष)

अनिवार्य पेपर - 3

दत्त कार्य - 1

(सत्र - २०१८-१९ से)

कुल अंक - 10

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें —

1. निम्न पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए --

अरुण यह मधुमय देश हमारा
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा।
सरस तामरस गर्भ विभा पर-नाच रही तरुशिखा मनोहर।
छिटका जीवन हरियाली पर-मंगल कुंकुम सारा।
लघु सुरधनु से पंख पसारे-शीतल मलय समीर सहारे।
उड़ते खग जिस ओर मुँह किए-समझ नीड़ निज प्यारा।

(चन्द्रगुप्त)

२. गोदान आदर्शोन्मुखी यथार्थवादी कृति है-इस कथन पर विचार कीजिए।

3. गोदान के आधार पर प्रो० मेहता का चरित्र चित्रण करें।

५. 'मैला आँचल' के नायकत्व पर एक संक्षिप्त निबन्ध लिखें।

5. 'पथ के साथी' का साहित्यिक दृष्टि से मूल्यांकन कीजिए।

6. भारतेन्दु के कृतित्व का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

7. जैनेन्द्र कुमार के 'सुनीता' उपन्यास का महत्व बताइये।

8. अज्ञेय की कहानियों की प्रमुख विशेषताएँ बताइये?

Submitted
13/03/19

13/3/19

आधुनिक गद्य साहित्य

एम० ए० हिन्दी (प्रथम वर्ष)

अनिवार्य पेपर-3

दत्त कार्य-2

(सत्र-2018-19 से)

कुल अंक - 10

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें-

1 निम्न पक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

यह खेती का मज़ा है और एक-एक भगवान ऐसे पड़े हैं जिनके पास जाड़ा जाए तो गरमी से घबड़ा कर भागे। मोटे-मोटे गद्दे, लिहाफ, कम्बल। मजाल है, जाड़े का गुजर हो जाये। तकदीर की खूबी है। मजूरी हम करें, मजा दूसरे लूटें।

2. 'गोदान कृषक जीवन का महाकाव्य है'। इस कथन के संदर्भ में गोदान उपन्यास की समीक्षा करें।

3. होरी का चरित्र चित्रण करें।

4. आँचलिकता का अर्थ स्पष्ट करते हुए 'मैला आँचल की आँचलिकता का विवेचन कीजिए।

5. 'पथ के साथी' के आधार पर 'मैथिलिशरण गुप्त' रेखाचित्र का सार अपने शब्दों में लिखिए।

6. उपेन्द्रनाथ अश्क के नाटकों का परिचय दीजिए।

7. मन्नू भंडारी के उपन्यासों का संक्षिप्त परिचय दें।

8. पाण्डेय बैचेन शर्मा 'उग्र' की कहानियों का परिचय दें।

13/03/19

13/03/19

आधुनिक हिन्दी कविता

एम० ए० हिन्दी (प्रथम वर्ष)

अनिवार्य पेपर -4

दत्त कार्य - 1

(सत्र-2018-19 से)

कुल अंक - 10

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें—

1 निम्न पक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए—

हे अभाव की चपल बालिके, री ललाट की खल-लेखा,
हरी-भरी-सी दौड़ धूप, ओ जल-माया की चल-रेखा।

2. पंत की काव्य-यात्रा के विविध सोपानों को स्पष्ट करें।

3. पंत प्रकृति के अद्भुत चितेरे हैं। इस कथन की समीक्षा करें।

4. महाकाव्य की दृष्टि से 'उर्वशी' की समीक्षा कीजिए।

5. अज्ञेय एक प्रयोगधर्मी कवि हैं—अपना पक्ष प्रस्तुत कीजिए।

6. 'प्रियप्रवास' का महाकाव्यत्व पर टिप्पणी लिखिए।

7. महादेवी के काव्य में विरहानुभूति की तीव्रता पर विचार करें।

8. केदारनाथ अग्रवाल की प्रगतिशीलता पर प्रकाश डालिये।

Sudesh
13/03/19

13/03/19

आधुनिक हिन्दी कविता

एम॰ ए॰ हिन्दी (प्रथम वर्ष)

अनिवार्य पेपर – 4

दत्त कार्य – 2

(सत्र-2018-19 से) कुल अंक – 10

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें-

1. निम्न पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

सुबह का सूरज हूँ मैं ही,
चाँद मैं ही शाम का।
कलजुगी मैं ढाल,
नाव का मैं तला नीचे और ऊपर पाल।
मैं ही डाँडी से लगा पल्ला।
सारी दुनियाँ तौलती गल्ला।
मुझसे मूँछें, मुझसे कल्ला।

2. पंत के जीवन दर्शन की समीक्षा कीजिए।
3. पंत की कल्पनाशीलता का विवेचन कीजिए।
4. 'उर्वशी' में कामाध्यात्म को स्पष्ट कीजिए।
5. अज्ञेय के काव्य में वैयक्तिकता और सामाजिकता का सुंदर समन्वय हुआ है–स्पष्ट करें।
6. हरिवंशराय बच्चन की किसी एक कृति की समीक्षा कीजिए।
7. गिरिजा कुमार माथुर की कविता का कथ्य स्पष्ट करें।
8. धर्मवीर भारती के 'अन्धायुग' का महत्व स्पष्ट करें।

Sudam M
13/03/19

13/03/19

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
एम० ए० हिन्दी (प्रथम वर्ष)
पेपर - 5 (I)
दत्त कार्य - 1
(सत्र - 2018-19 से)

कुल अंक - 10

निम्नलिखित में से किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दें—

1. निम्न पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए—

कोऊ नहिं पकरत मेरो हाथ।
बीस कोटि सुत होत फिरत मैं हा हा होय अनाथ।
जाकी सरन गहत सोइ मारत सुनत न कोऊ दुःखगाथ।
दीन बन्यौ इत सों उत डोलत टकरावत निज माथ।
दिन-दिन बिपति बढ़त सुख छीजत देत कोऊ नहिं साथ।
सब विधि-दुख सागर, मैं डूबत धाई उबारो नाथ।

2. 'प्रेम तरंग' काव्य संग्रह का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
3. भारतेन्दु की काव्य कला पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
4. भारतेन्दु की निबंध यात्रा के विकास पर विस्तारपूर्वक विवेचना कीजिए।
5. हिन्दी पत्रकारिता के विकास में भारतेन्दु के योगदान पर प्रकाश डालिए।
6. भारत-दुर्दशा में कवि ने लक्ष्यविहीन पतन की ओर उन्मुख भारत का वर्णन क्यों किया है?
7. 'नील देवी' का संक्षिप्त सार अपने शब्दों में लिखिए।
8. गोपियों की विरह-व्यथा का क्या कारण था?

Sudesh Nain
13/03/19

13/03/19

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
एम० ए० हिन्दी (प्रथम वर्ष)
पेपर - 5 (1)
दत्त कार्य - 2
(सत्र - 2018-19 से)

कुल अंक - 10

निम्नलिखित में से किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दें—

1. निम्न पक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए—

बार बार पिय आरसी सत देखहु चितलाय।
सुंदर कोमल रूप में दीठ न कहुं लगि जाय॥
देखन देहुं न आरसी सुंदर नन्दकुमार।
कहुं मोहित ह्वै रूप निज, मति मोहिं देहु विसार॥

2. 'प्रेम तरंग' संग्रह के पदों में 'रसों की अभिव्यक्ति एवं प्रेम लक्षणा भक्ति का सोदाहरण विश्लेषण करें।
3. 'निज भाषा उन्नति अहै-- ' की व्याख्या करते हुए आज के भारत में इसके महत्व का वर्णन कीजिए।
4. भारतेन्दु के नारी-स्वातंत्र्य संबंधी द्रष्टिकोण का विवेचन कीजिए।
5. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के जीवन परिचय का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
6. 'नील देवी' नाटक मानव जीवन के किस संघर्ष को चित्रित करता है।
7. उद्धव ने गोपियों को क्या समझाना चाहा?
8. भारतेन्दु की नाट्यकला पर प्रकाश डालिए।

Sudesh Naw
13/03/19

13/03/19

प्रेमचन्द

एम० ए० हिन्दी (प्रथम वर्ष)

पेपर – 5 (IV)

दत्त कार्य – 1

(सत्र-2018-19 से)

कुल अंक – 10

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें –

1 निम्न पक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

'अगर इतने नाजुक मिजाज़ हो, तो अव्वल दर्जे में क्यों नहीं बैठे?' 'कोई बड़ा आदमी होगा तो अपने घर का होगा। मुझे इस तरह मारते, तो दिखा देता।

2. आज के बालक स्वाधीन हैं, और अब किसी के बस की बात नहीं है कि इस दशा को पलट दें। इसके बहुत से कारण हैं-परिवारों का देहातों से निकलकर शहरों में आबाद होना, जहाँ परिचित जनों के दबाब और स्वभाव से लोग मुक्त हो जाते हैं, पुराने नीति व्यवहारों का शिथिल हो जाना, जिनका पहले विद्रोही युवकों पर बहुत दबाब पड़ता था। मोटरकार, सिनेमा और समाचारपत्र सब स्वाधीनता की प्रवृति को मजबूत करते हैं।

3. 'सेवासदन' उपन्यास के नामकरण की सार्थकता को सार रूप में स्पष्ट कीजिए।

4. 'कर्मभूमि और गाँधीवाद' विषय पर आलोचनात्मक विवेचन प्रस्तुत कीजिए।

5. 'कर्बला' नाटक का उद्देश्य अपने शब्दों में लिखिए।

6. प्रेमचन्द की नाट्यकला की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

7. प्रेमचन्द की कहानियों के शिल्प की प्रमुख विशेषताओं का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

8. 'गबन' उपन्यास के उद्देश्य पर सार रूप मे प्रकाश डालिए।

Sudam ... 13/03/19

13/03/19

प्रेमचन्द

एम० ए० हिन्दी (प्रथम वर्ष)

पेपर - 5 (IV)

दत्त कार्य - 2

कुल अंक - 10

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें —

1. निम्न पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए —
इस आभूषण मंडित संसार में पली हुई जालपा का यह आभूषण प्रेम स्वाभाविक ही था। महीने भर से ऊपर हो गया, उसकी दशा ज्यों की त्यों है, न कुछ खाती-पीती है, न किसी से हँसती-बोलती है। खाट पर पड़ी हुई शून्य नेत्रों से शून्याकाश की ओर ताकती रहती है। सारा घर समझा-कर हार गया। पड़ोसिनें समझाकर हार गयीं, दीनदयाल आकर समझा गये, पर जालपा ने रोगशय्या न छोड़ी। उसे घर में किसी पर विश्वास नहीं है, यहाँ तक कि रमा से भी उदासीन रहती है। वह समझती है, सारा घर मेरी उपेक्षा कर रहा है। सब के सब मेरे प्राण के ग्राहक हो रहे हैं। जब इनके पास इतना धन है तो फिर मेरे गहने क्यों नहीं बनवाते? जिससे हम सबसे अधिक स्नेह रखते हैं, उसी पर सबसे अधिक रोष भी करते हैं।

2. हाँ बेटा, बैकुंठ में जायगी। किसी को सताया नहीं, किसी को दबाया नहीं। मरते-मरते हमारी जिंदगी की सबसे बड़ी लालसा पूरी कर गयी। वह न बैकुण्ठ में जाएगी तो क्या ये मोटे-मोटे लोग जाएँगे, जो गरीबों को दोनों हाथों से लूटते हैं और अपने आपको धोने के लिए गंगा में नहाते हैं और मन्दिरों में जल चढ़ाते हैं।

3. 'सेवासदन' उपन्यास में किन-किन समस्याओं का उल्लेख किया गया है और उनके समाधान के कौन-2 से उपाय सुझाए गए हैं?

4. 'कर्बला' नाटक की प्रासंगिकता पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

5. 'कर्मभूमि' की नायिका का निर्धारण करते हुए उसकी चारित्रिक विशेषताएं बताइए।

6. प्रेमचंद के निबन्ध के कथ्य का उल्लेख कीजिए।

7. प्रेमचंद की भाषा-शैली का सोदाहरण उल्लेख कीजिए।

8. 'गबन' उपन्यास के आधार पर जालपा के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

Sudesh
13/03/19

13/3/19

पत्रकारिता प्रशिक्षण
एम० ए० हिन्दी (प्रथम वर्ष)
पेपर - 5 (V)
दत्त कार्य - 1
(सत्र- 2018-19 से)

कुल अंक - 10

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें —

1. पत्रकारिता को परिभाषित करते हुए इसका विकास क्रम समझाइए।
2. हिंदी पत्रकारिता के उद्भव व विकास की विवेचना कीजिए।
3. प्रिंट मीडिया तथा इलैक्ट्रॉनिक मीडिया की वस्तुस्थिति स्पष्ट करते हुए दोनों में अंतर बताइए।
4. सूचनाधिकार व मानवाधिकार की विवेचना कीजिए
5. भारत में प्रेस-सुधार के लिए हुए दो प्रमुख कार्यों का उल्लेख कीजिए
6. 1925-30 का समय हिंदी पत्रकारिता की दृष्टि से अहम क्यों है?
7. आमुख से आप क्या समझते हैं?
8. 'ऑल इंडिया रेडियो' पहले किस नाम से जाना जाता था और अब इसको किस नाम से जाना जाता है?

Sudesh Nain
13/03/19

13/03/19

पत्रकारिता प्रशिक्षण
एम० ए० हिन्दी (प्रथम वर्ष)
पेपर- 5 (V)
दत्त कार्य- 2
(सत्र- 2018-19 से)

कुल अंक - 10

निम्नलिखित में से किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दें-

1. विश्व पत्रकारिता का स्वरूप स्पष्ट करते हुए, भारत में पत्रकारिता के विकास को बताइए।
2. समाचार लेखन की प्रमुख बातें स्पष्ट कीजिए।
3. पत्रकारिता प्रबंधन से क्या अभिप्राय है? विश्लेषणात्मक उत्तर दीजिए।
4. प्रेस संबंधी प्रमुख कानूनों व संहिता का उल्लेख करते हुए मुक्त प्रेस की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।
5. सूचना प्रौद्योगिकी से क्या तात्पर्य है?
6. संपादन के प्रमुख प्रतिमान क्या हैं?
7. फोटो पत्रकारिता क्या है?
8. समाचार पत्रकारिता के पांच तत्वों का उल्लेख कीजिए।

Sudesh Nain
13/03/19

13/03/19